राष्ट्रीय रेलवे मजदूर संघर्ष समन्वय समिती

भुसावल

१८ जून १९७४ दमननिती विरोध दिन

—: जाहिर सभा :—

स्थल : मजदूर भवन   समय :- शाम ६ बजे

कामगार भाओओ,

रेलवे कामगारोंका देशव्यापी हरताल २८ मे १९७४ को सवेरे छः बजे स्थगित हुआ। यह हमारे व्यापक आंदोलनका प्रथमचरण है। अभी हम हमारी पुरी माँगे हांसील नही कर सके। सरकारके दमन निती और गोबेल्स प्रचार तंत्र के फलस्वरुप हमे अपने संघर्षको कुछ स्वरुपविराम देना आवश्यक समझा। इससे कुछ समस्याये हमारे सामने खडी हुओ। हम याद रखे कि यह हमारी नैतिक विजय है। सरकार अपनी दमननिती अभीभी अपनाओ हुओ है। हमारो शांततावादी कर्मचारीओपर अभी मुकदमे जारी है। हजारो ट्रेड युनियन कार्यकर्ता केवल युनियनका काम करनेको अपराध मानकर बरतर्फ है। वे भी अिसी छलवाद का शिकार हैं। जिन कर्मचारीओने हरताल मे हिस्सा लिया, उन्हे ड्युटीपर लेनेमे तरह तरहकी हरकते प्रशासन ने कि। साथही उनको “ अर्जित छुट्टी,” “ नैमत्तीक छुट्टी ” और पास, पी. टी. ओ. की सुविधाओसे वंचित किया और नोकरीमेभी खंड माना जानेवाला है। अिन कामकार नितीओके विरोधमें जनमत जागृती और कामगारोंका असंतोष प्रकट करने हेतु समन्वय समितीने मंगलवार दि. १८ जुन १९७४, दमननिती विरोध दिन के रुपमें मनाने का निश्चय किया हैं। आपको निवेदन है कि शाम ६ बजे मजदूर भवन के सामने होनेवाले विशाल सभामें आप हजारो के संख्यामें शामील होओीये।

कामगार एकता जिन्दाबाद

रा. रे. म. सं. समन्वय समिती
भुसावल

(श्रीराम प्रि. प्रेस, भुसावल)

रेल संघर्ष समन्वय समिति, भोपाल

बहादुर रेल मजदूर साथियों,

हाल के रेल संघर्ष में न्याय और हक के लिये, महंगाई रोकने के लिए और समाज में अपनी इज्जत और सही हैसियत के अनुसार माकूल वेतन और बोनस के लिए जिस बहादुरी और जंगमर्दी के साथ आप मैदान में कूदे और सत–रंगी सैनिक दमन का जिस साहस के साथ आपने सामना किया उसके लिये आपकी राष्ट्रीय समन्वय समिति के संयोजक कामरेड जार्ज फर्नान्डिस ने भोपाल के सभी साथियों को हार्दिक बधाइयां और पुरजोश सलाम भेजे हैं। साथ ही का० जार्ज फर्नान्डिस ने उन सब व्यक्तियों, संस्थाओं, और राजनैतिक पार्टियों के प्रति भी आभार प्रदर्शन किया है जिन्होंने संघर्ष में कूदे रेल कर्मचारियों को सहयोग और सहायता प्रदान की। स्थानीय समन्वय समिति भी आप सबको और अपने सहयोगियों के प्रति आभार पेश करती है।

सरकारी पुलिस और फौज की शक्ति से टकराने के लिये रेल कर्मचारी संघर्ष में नहीं उतरा था। नेताओं की छापामार गिरफ्तारियां ट्रेड यूनियन आन्दोलन पर ऐसा दमन और ऐसा हमला पहिले न कभी देखा और न सुना गया था। शायद हमारे देश की प्रजातांत्रिक पद्धति में तरक्की की यह एक नयी कड़ी जुड़ी है इसलिये स्थिति को देखकर हड़ताल वापस लेना एक सही कदम था। इस अभूतपूर्व विशाल रेल हड़ताल के दौरान हमारे कई साथी नासमझी–वश पीछे रहे पर उनकी हमदर्दियां हमारे साथ रही। हमें उनसे कोई शिकायत भी नहीं है। परन्तु मजदूर सेवा के नाम पर स्वार्थ की दुकान चलाने वाले, सिद्धान्त के नाम पर अपने आकाओं की चिलम भरने वाले और बोनस के लिए बेलट लेकर लड़ाई की बिगुल बजाने वाले परीक्षा की घड़ी आने पर मुंह छिपाकर बिलों में घुस गये। अपने आपको मजदूर नेता कहने वाले पैसा खोर सरकारी दलाल बन गये और मजदूर विरोधी अपराधपूर्ण काले कारनामों में लग गये। इसके लिये आज सारा रेल समाज उन्हें धिक्कार रहा है। हमारे संघर्ष को बदनाम करने की 'नापाक' कोशिशों में ये लोग खुद ही गिरावट की गर्त में डूब रहे हैं।

अभूतपूर्व एकता के आधार पर लड़ा गया यह शांतिपूर्ण संघर्ष किस कदर सफल रहा इसको सामान्यजन से रेल मन्त्री तक सभी मान गए और इसके परिणामस्वरूप केज्यूअल प्रथा मिटी, काम के घण्टों में कमी की गई, इसके सिवाय तनख्वाह और बोनस की मांग भी अधिक दिनों खटाई में नहीं रह सकती, राष्ट्रीय वेतन ढांचे की नीति निर्धारण के लिये सरकार पहली बार बाध्य हो रही है और सारे देश का मजदूर सरकारी दमन के बावजूद देशव्यापी मजदूर एक की ओर बढ़ने लगा है।

प्रशासनिक अफसरों से हमारा कोई व्यक्तिगत झगड़ा न था न है इसमें अनुशासनपालन की कोई कमी नहीं। राष्ट्र के प्रति वफादारी में कोई कमी न हममें थी, न है और न रहेगी। इस विषय में कई बार हम अग्नि परीक्षा में खरे उतर चुके हैं परन्तु अपने जायज हकों के लिये संघर्ष करने का अधिकार हमसे कोई नहीं छीन सकता।

देश का रेल मजदूर अपनी स्थिति सम्मानित नागरिक की हैसियत से जीने योग्य बनाने के लिए सारे देश के मजदूर वर्ग के साथ एकता बनाकर संघर्ष की मंजिलें तय करता हुआ आगे बढ़ता ही जाएगा कोई ताकत उसे रोक नहीं सकेगी।

हाल ही के अध्यादेशों द्वारा जो वेतन व भत्तों पर रोक लगाई गई है, वह सारी मजदूर जमात पर एक गहरा प्रहार है व जिसका विरोध सारे देश के मजदूरों को करना चाहिए।

FROM –
ARMY
BHOPAL Br.

मजदूर एकता जिंदाबाद !!

रेल कर्मचारी संघर्ष समन्वय समिति, भोपाल

17-7-74

निर्दलीय प्रेस, भोपाल

NATIONAL CO-ORDINATION COMMITTEE FOR RAILWAYMENS STRUGGLE.
(Kharagpur W/S and Kharagpur Division)

S.K.Chakrobarthy.
CONVENOR.

(22)

Kharagpur.
Dated 22/7/74

A meeting of the Kharagpur Work Shop and Kharagpur Division of the NCCRS was held on 21st July'74 under the Chairman Ship of Com XXXXMxxxhyxxf Rxlxkkx V.V.Mohanti of S.E.Rly Labour Union. The following decission were taken.

Before the agenda taken up for discussion com K.Lakshinarayana of Work-Shop staff Committee raised some questions of participants, this was discussed and dropped.

Convenor read out the circular issued by the zonal convenor on the discussions taken at the zonal NCCRS meeting held on 18/7/74 and the decission taken by the sub-committee in its meeting held on 19/7/74. It was decided that the model forms (regarding break in service and removal) as decided by the Zonal NCCRS will be supplied by the individual units.

Protest week from 22 to 28 July will be observed with the following xxxfxx programe of mahalla meetings and procession, permission for holding area meetings & procession in Railway Settlement will be obtained from the civil authority and in xxxx case permission refused, the programe will be observed in the non railwa y settlement.

Programe of Mahalla Meetings procession.

Malancha.	22.7.74.	Names of organisors	a) S.N.Sharma. b) N.K.Bose. c) C.Chakraborty. d) A.Biswas.
Bharati Bidya pith.	23.7.74.	-do-	a) S.R.Sarbajna. b) Manindra. c) G.Mahanty. d) Nagen Haldar.
Old Kharagpur.	24.7.74.	-do-	a) P.S.Mahapatra. b) J.N.Paul. c) N.K.Banerjee.
Railway Traffic Settlement and or I N D A.	25.7.74.	-do-	a) R.N.Mitra. b) B.K.Joddar. c) J.K.Dutta.
Development.	26.7.74.	-do-	a) C.R.Chakraborty. b) J.N.Pal. c) Balaram Mandal.
Old Settlement. and Subhash Pally.	27.7.74.	-do-	a) Manasha Banerjee. b) Sarada Roy. c) D.Jagga Rao. d) K.J.Rao. e) Maikal. f) Ramnayya.

Procession - 28.7.74. at 3 p.m. from Victoria Maidan.
Posters will be issued by the individual units for meetings and procession.
Sister & central T.U's will be invited to take part in the procession
Leaflates issueing sub-committee formed with the following Comrades.

P.T.O.

Leaflates issuing sub-committee formed in the following comrades.

1) Sri Narayan swamy. S.E.R.L.U.

2) P.S.Mahapatra. S.E.R.M.U.

3) D.K.Chatterjee. Work Shop Staff Committee.

~~Meeting is adjorned for 22.7.74 at 8 p.m.~~

Item No.2 of the agenda was taken up. Com Convenor placed a proposal that collections should be made in the name of NCCRS only and requested to the participant units to stop their individual collections at least for one month.

Meeting is adjorned for 22.7.74 at 8 P.M.

CONVENOR